



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 403] नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 8, 1972/भाद्र 17, 1894

No. 403] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 8, 1972/BHADRA 17, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

CORRIGENDA

INCOME-TAX

New Delhi, the 8th September 1972

S.O. 586(E).—In the notification of the Government of India in the Central Board of Direct Taxes No. S.O. 175(E), dated the 6th March, 1972, published at pages 403 to 414 of the Gazette of India Extraordinary, Part II—Section 3—Sub-section (ii), dated the 6th March, 1972,—

(a) at page 404,—

(i) in line 3, for “66B”, read “6AB”;

(ii) in line 11, for “made an assessee”, read “made by an assessee”;

(b) at page 407, in Form No. 3B,—

(i) for “section”, read “section*”;

(ii) for “(Accountant)”, read “(Accountant)”;

(c) at page 408,—

(i) in line 1, for “form”, read “Form”;

(ii) In SECTION A,—

(1) in item 2, for “yhe”, read “the”;

(2) in item 3(b), for “Leagal”, read “Legal”;

(3) in item 4(i), for “building”, read “buildings”;

(d) at page 409, for “SECTION B”, read “SECTION B”;

(e) at page 410, in SECTION A, after serial No. 5, insert “etc”;

(f) at page 411,—

(i) in SECTION B, in the column relating to “Amount”, insert “Rs.”;

(1615)

- (ii) in Footnote I, for "letter which", read "letter under which";
- (iii) for "(See rule 14A), read "FORM No. 6A.
"Form No. 6A" (See rule 14A)";
- (g) at page 412 in FORM No. 7, in paragraph 2, for "assessment fine",
"assessment fine";
- (h) at page 413, —
(i) after "[No. 52/F.No. 142(29)/71-TPL].
"R. R. Khosla, Secretary, Central Board of Direct Taxes";
- (ii) in the Explanatory Memorandum, in clause
(i), for "co-operative society", read "co-operative society.";
- (i) at page 414. omit "R. R. KHOSLA, Secy Central Board of Direct Taxes".

[No. 179/F. No. 142(29)/71-TPL.]

O. P. BHARDWAJ, Secy.
Central Board of Direct Taxes.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

शुद्धि-पत्र

आय-कर

नई दिल्ली, 8 मितम्बर, 1972

का० आ० 587 (अ).—भारत के राजपत्र, असाधारण, दिनांक 6 मार्च, 1972/16 फाल्गुन 1893 (शक) के भाग-II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में प्रकाशित अधिसूचना सं० का० आ० 175 (अ) में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे :—

1. पृष्ठ 414 पर प्रथम पैराग्राफ की तीसरी पंक्ति में "करन" के स्थान पर "करने" पढ़ा जाएगा ।
2. इसी पृष्ठ पर नीचे से चौथी पंक्ति में, "संख्यांकित" के स्थान पर "संख्यांकित" जायेगा ।
3. पृष्ठ 415 पर तीसरी पंक्ति में "नियमों 6कक" के स्थान पर "नियम 6कक" पढ़ा जाएगा और इसी पृष्ठ की चौथी पंक्ति के प्रारम्भ में अस्पष्ट अक्षरों " 1972" के स्थान पर "अप्रैल 1972" पढ़ा जाएगा ।
4. इसी पृष्ठ की छठी पंक्ति में "संपरिक्षा" के स्थान पर "सपरीक्षा" पढ़ा जायेगा ।
5. इसी पंक्ति के अन्तिम शब्द "भिन्न" से पहले "से" पढ़ा जायेगा ।
6. इसी पृष्ठ पर 12वीं पंक्ति के अन्तिम शब्द "क" को "के" पढ़ा जायेगा ।
7. इसी पृष्ठ पर पैरा 5 के प्रथम शब्द "मल" के स्थान पर "मूल" पढ़ा जायेगा ।
8. इसी पृष्ठ पर नीचे से 16वीं पंक्ति में "वतन" के स्थान पर "वेतन" पढ़ा जायेगा ।
9. पृष्ठ 416 पर प्रथम पंक्ति में "वतन" के स्थान पर "वेतन" पढ़ा जायेगा ।
10. पृष्ठ 417 पर चौथी पंक्ति में "निर्धारिती" के स्थान पर "निर्धारिती" पढ़ा जायेगा ।
11. इसी पृष्ठ की छठी पंक्ति में "पूर्व" पढ़ा जायेगा ।
12. इसी पृष्ठ के अन्तिम पैराग्राफ की प्रथम पंक्ति में "उपनियम" के स्थान पर "उपनियम" पढ़ा जायेगा ।

14. पृष्ठ 418 की प्रथम पंक्ति में "खण्ड" के बाद कोष्ठक "(" चिह्न हटा दिया जायेगा ।
15. इसी पृष्ठ की तीसरी पंक्ति में "वर्षी" के स्थान पर "वृषी" पढ़ा जायेगा ।
16. इसी पृष्ठ के तीसरे पैराग्राफ की प्रथम पंक्ति में "रूप स" के स्थान पर "रूप में" पढ़ा जायेगा ।
17. इसी पृष्ठ के चौथे पैराग्राफ की तीसरी पंक्ति में "घटा, ए" के स्थान पर "घटाए" पढ़ा जायेगा ।
18. इसी पृष्ठ पर नीचे से पांचवी पंक्ति के प्रारम्भ में "(ji)" के स्थान पर "(i)" पढ़ा जायेगा ।
19. पृष्ठ 419 पर आठवीं पंक्ति में "क अधीन" के स्थान पर "के अधीन" पढ़ा जायेगा ।
20. पृष्ठ 420 पर नीचे से 15वीं पंक्ति में "तयार" के स्थान पर "तैयार" पढ़ा जायेगा ।
21. पृष्ठ 421 पर खण्ड ख में क्र० सं० 1 की प्रथम पंक्ति में "गपी" के स्थान पर "गुपी" और "सम्बन्ध" के स्थान पर "सम्बन्ध" पढ़ा जायेगा ।
22. पृष्ठ 423 पर तीसरी पंक्ति में "80-ण" के स्थान पर "80-डड" पढ़ा जायेगा ।
23. इसी पंक्ति में "कीनी" के स्थान पर "कटीसी" पढ़ा जायेगा ।
24. इसी पृष्ठ पर दी गई तालिका के दूसरे कॉलम में "80-ण" के स्थान पर "80-डड" पढ़ा जायेगा ।
25. पृष्ठ 424 पर तीसरी पंक्ति में "अपक्षित" के स्थान पर "अपेक्षित" पढ़ा जायेगा ।
26. इसी पृष्ठ पर नीचे से तीसरी पंक्ति में "अनुमोदन" के बाद "संसूचित" जोड़ा जायेगा ।
27. इस पृष्ठ में गया के बाद अस्पष्ट शब्द को "था" पढ़ा जायेगा ।
28. पृष्ठ 425 पर प्रथम पंक्ति में "6 से" के स्थान पर "16 के" पढ़ा जायेगा ।
29. इसी पृष्ठ पर उप-पैरा 2 की दूसरी पंक्ति में "उक्षत" के स्थान पर "उक्त" पढ़ा जायेगा ।
30. इसी पृष्ठ पर "(हस्ताक्षर)" से ऊपर "मावदीय" के स्थान पर "भवदीय" पढ़ा जायेगा ।
31. पृष्ठ 426 पर उप-पैरा 2 में "सूचना की" के पश्चात् "राजीव की" जोड़ा जायेगा ।
32. इसी पृष्ठ पर उप-पैरा 4 की दूसरी पंक्ति में "शास्त्रिम" के स्थान पर "शस्त्रि" पढ़ा जायेगा ।
33. इससे अगली पंक्ति के प्रारम्भ में कोष्ठक "(" लगाया जायेगा ।
34. इसी पृष्ठ पर उप-पैरा 6 की दूसरी पंक्ति में "आक्षेप" के स्थान पर "आक्षेप" पढ़ा जायेगा ।
35. इसी पंक्ति में आग बार शब्द के बाद "म" शब्द जोड़ा जायेगा ।

36. पृष्ठ 427 पर सातवीं पंक्ति में "तारीख की" के स्थान पर "तारीख में" पढ़ा जायेगा ।

37. इसी पृष्ठ के उप-पैरा 8 की तीसरी पंक्ति में "अधिकथित सम्पर्क" के स्थान पर "अधिकथित सम्पर्क" पढ़ा जायेगा ।

38. इसी पृष्ठ पर नीचे से चौथी पंक्ति में "किह्तों" के स्थान पर "किस्तों" पढ़ा जायेगा ।

39. पृष्ठ 428 पर दूसरी पंक्ति में "लप्त" के स्थान पर "लुप्त" पढ़ा जायेगा ।

40. इसी पृष्ठ पर 9वीं पंक्ति में "12 क" के स्थान पर "12 के" पढ़ा जायेगा ।

41. इसी पृष्ठ के उप-पैरा 13 की दूसरी पंक्ति में "वर्ष" के स्थान पर "वर्ष" पढ़ा जायेगा ।

42. पृष्ठ 429 की दूसरी पंक्ति में "परा" के स्थान पर "पैरा" पढ़ा जायेगा ।

43. इसी पृष्ठ पर उप-पैरा (1) की तीसरी पंक्ति में "अथवा" के बाद दूटे "अ न" को "अपने" पढ़ा जायेगा ।

44. इसी पैराग्राफ की 5वीं पंक्ति में "किये" के बाद "गए" शब्द जोड़ा जाएगा ।

45. इससे अगली पंक्ति में "उ बन्ध" के स्थान पर "उपबन्ध" पढ़ा जायेगा ।

46. इसी पैराग्राफ की 8वीं पंक्ति में "पदाथ" के स्थान पर "पदार्थ" पढ़ा जायेगा ।

47. इसी पैराग्राफ के अन्त से चौथी पंक्ति में "की प्रस्ताव" के स्थान पर "का प्रस्ताव" पढ़ा जायेगा ।

48. इसी पृष्ठ पर पैराग्राफ (ii) की तीसरी पंक्ति में "बतन क" के स्थान पर "बेतन के" पढ़ा जायेगा ।

49. इससे अगली पंक्ति में "12 मह ने" के स्थान पर "12 महीने" पढ़ा जायेगा ।

50. पृष्ठ 430 पर चौथी पंक्ति में "प्रतिभूतियां" के स्थान पर "प्रतिभूतियाँ" पढ़ा जायेगा ।

51. इसी पृष्ठ पर 9वीं पंक्ति में "आयक्त" के स्थान पर "आयुक्त" पढ़ा जायेगा ।

52. इसी पृष्ठ पर नीचे से चौथी पंक्ति में "उपयुक्त" के स्थान पर "उपर्युक्त" पढ़ा जायेगा ।

53. इसी पृष्ठ पर नीचे से आठवीं तथा सातवीं पंक्ति में "संशोधन" के स्थान पर "संशोधन" पढ़ा जायेगा ।

54. इसी पृष्ठ पर नीचे से दूसरी पंक्ति में "संशोधनों" के स्थान पर "संशोधनों" पढ़ा जायेगा ।

[सं० 180/फा० सं० 142/29/71-टी० पी० एल०]

श्री० पी० भारद्वाज, सचिव ।

केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड ।